मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 28
सोमवार, 03 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मानसून सत्रः विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी, केंद्र ने MSME समेत कई बिल पर बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली, 02 अगस्त। संसद के मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह सोमवार को शुरू होगा। पहला सप्ताह छात्र आंदोलन के कारण विपक्ष के हंगामे में धुल गया, लेकिन दूसरे सप्ताह में सरकार ने पेपर लीक रोधी विधेयक और वंदे मातरम से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक को दोनों सदनों से पारित करा लिया।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद माना जा रहा था कि इसके साथ ही संसद का गतिरोध समाप्त हो जाएगा, लेकिन कांग्रेस अब गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधकर सरकार को घेरना चाहती है।

बेशक अन्य विपक्षी दल कांग्रेस के इस एजेंडे पर पूरी तरह साथ नहीं दिख रहे, लेकिन कांग्रेस अडिग रहने का संकेत दे चुकी है। ऐसे में सरकार ने भी तैयारी कर ली है कि विपक्ष यदि कार्यवाही को बाधित भी करना चाहेगा तो पूरा प्रयास हंगामे के बीच भी सदन की कार्यवाही चलाकर विधायी कार्य निपटाने का होगा।

मानसून सत्र के पहले सप्ताह में सदन में विपक्ष को सड़क पर चल रहे छात्र आंदोलन से ताकत मिल गई, जिसके कारण लोकसभा व राज्य सभा की कार्यवाही चल ही नहीं पाई। दूसरे सप्ताह में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद पेपर लीक रोधी विधेयक पर चर्चा की सहमति जताने के बावजूद कांग्रेस ने फिर से गतिरोध बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन अन्य विपक्षी दलों के इससे इतर इरादों से सरकार को राह दिखी।

उसने हंगामे के बीच भी पेपर

लीक रोधी बिल और वंदे मारतम से जुड़ा विधेयक दोनों सदनों से पास करा लिया। सरकार के एजेंडे में एमएसएमई बिल, सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या से जुड़ा बिल सहित कई विधेयक हैं, जिन्हें वह इस सत्र में पारित कराना चाहती है।

वहीं, विपक्ष खास तौर पर कांग्रेस सरकार के सामने डटकर खड़े रहना चाहती है। माना जा रहा है कि एनजीओ को विदेश से मिलने वाले चंदे से जुड़ा एफसीआरए बिल भी गतिरोध का बड़ा कारण है। पेपर लीक रोधी विधेयक चूंकि छात्रों से जुड़ा विषय था, इसलिए राजनीतिक नफा-नुकसान भांपते हुए उस पर चर्चा की सहमति दे दी, लेकिन अब इरादे साफ दिखाई दे रहे हैं कि अन्य विधायी कार्य को वह इतनी आसानी से आगे नहीं बढ़ने देना चाहती है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग पर सिर्फ कांग्रेस मुखर है।

विपक्ष के अन्य दलों का इस मांग पर अड़ते-लड़ते हुए संसद नहीं चलने देने जैसे इरादा दिखाई नहीं दे रहा। ऐसे में प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। यदि विपक्ष एकजुट होकर हंगामा करेगा तो पूरी कोशिश होगी कि हंगामे के बीच ही विधायी कार्य निपटाया जाए।

उज्जैन में रतलाम-कोटा पैसेंजर पर टूटकर गिरी ओएचई लाइन, इंजन में लगी आग; चलती ट्रेन से कूदे यात्री

उज्जैन, 02 अगस्त। उज्जैन के माहिदपुर रोड रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहां से गुजर रही रतलाम-कोटा पैसेंजर मेमू ट्रेन के इंजन पर 25 हजार केवी की ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन टूटकर गिर गई। इससे इंजन के ऊपरी हिस्से में आग लग गई। हादसे के समय ट्रेन चल रही थी।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घबराहट में अनेक यात्री बोगियों से नीचे कूद गए, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इंजन से आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

करंट फैलने की आशंका के बीच कई यात्रियों ने घबराकर चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। हालांकि ट्रेन आगे बढ़ गई और टूटा हुआ ओएचई तार पीछे रह गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। रेलवे ने प्रभावित ट्रैक पर बिजली आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान दो घंटे तक इस ट्रैक पर आवागमन बाधित रहा। रेलवे कर्मचारियों ने टूटी हुई ओवरहेड लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया, जिसके बाद धीरे-धीरे रेल यातायात सामान्य हो सका।

भारी बारिश से प्रभावित परिवारों के लिए केरल सरकार उठा रही अहम कदम, राहुल गांधी का बड़ा दावा

केरल, 02 अगस्त। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने केरल में भारी बारिश से हुई तबाही के बीच रविवार को कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों की मदद करने और राहत व बचाव कार्यों के समन्वय के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं और स्वयंसेवकों से भी इन प्रयासों में हर संभव मदद करने की अपील की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "केरल में भारी बारिश से हुई तबाही से मैं बहुत दुखी हूं। जिन आठ लोगों की जान गई है, उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। कामना करता हूं कि जो लोग अभी लापता हैं, वे सुरक्षित मिलें और घायल लोग जल्द स्वस्थ हों।" उन्होंने कहा, "राज्य सरकार

प्रभावित परिवारों की मदद करने और राहत व बचाव कार्यों का समन्वय करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मैं कांग्रेस के सभी कार्यकताओं और स्वयंसेवकों से अपील करता हूं कि वे इन प्रयासों में हर संभव सहयोग करें।"

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा, "कृपया सतर्क रहें, खासकर पहाड़ी इलाकों में, और प्रशासन की ओर से जारी निदेर्शों का पालन करें।" उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा केरल एकजुट होकर खड़ा है। गांधी ने कहा, "मैं हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा हूं।" केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने कहा कि एक दिन पहले हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन, जलभराव और राज्य के कई हिस्सों में संपत्ति का नुकसान हुआ। सतीशन ने कहा कि आठ लोगों की मौत हुई और आठ अन्य लोग लापता हैं। उन्होंने कहा कि बारिश जनित घटनाओं में 13 लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 27 घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, 196 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है और 5,792 लोगों को राज्य में बनाए गए 209 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिवारों और जिन लोगों ने अपने घर और आजीविका खो दी है, उन्हें हर संभव सहायता देगी।

ग्लासगो 2026 में इंडिया का 39 मेडल के साथ सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली, 02 अगस्त। भारत का ग्लासगो में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत ने कुल 39 मेडल अपने नाम किए। इस कॉमनवेल्थ में भारतीय बॉक्सर का कमाल देखने को मिला। भारतीय दल ने बॉक्सिंग में कुल 10 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड मेडल शामिल रहे। ग्लासगो में भारतीय एथलीटों से 11वें दिन उम्मीद थी कि वे कम से कम एक मेडल जीतकर पदकों की संख्या 40 कर देंगे।

कॉमनवेल्थ के आखिरी दिन भारतीय एथलीटों का निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिला। भारत एक भी मेडल नहीं जीत सका और इसी वजह से 39 पदकों के साथ उन्हें संतोष करना पड़ा। भारत ने 39

मेडल जीत के साथ किसी एक कॉमनवेल्थ में सबसे अधिक पदक जीतने के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। भारत किसी एक कॉमनवेल्थ में सबसे अधिक मेडल 2010 में जीता था। आइए बताते हैं कि भारत ने कॉमनवेल्थ में कब-कब सबसे अधिक मेडल जीते हैं।

भारत ने साल 2010 में कॉमनवेल्थ में कमाल किया था। ये नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जहां भारतीय एथलीटों ने घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए 101 पदक जीते थे। इसमें 38 गोल्ड, 27 सिल्वर और 36 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत का किसी एक कॉमनवेल्थ में ये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2018 का कॉमनवेल्थ गोल्ड कोस्ट में आयोजित किया गया था। वहां पर भारत ने कुल 66 मेडल जीते थे। गोल्ड कोस्ट में भारत ने 26 स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। इसके अलावा 20 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज मेडल भी जीते थे। ये भारत का किसी एक कॉमनवेल्थ में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

ग्लासगो में 2014 में कॉमनवेल्थ का आयोजन हुआ था। वहां पर भी भारतीय एथलीटों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला था। भारत ने कुल 64 पदक अपने नाम किए थे। 15 स्वर्ण, 30 रजत और 19 कांस्य पदक शामिल थे। ये भारत का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

पाकिस्तान के स्वात में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला, 14 की मौत; 20 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के स्वात जिले में पुलिस स्टेशन के बाहर हुए आत्मघाती बम धमाके में 14 लोगों की मौत हो गई है और 20 घायल हो गए हैं। स्वात जिले के पुलिस अधिकारी उमर खान ने 'डॉन न्यूज' को बताया कि जब पुलिसकर्मियों ने स्टेशन के गेट पर हमलावर को रोकने और उसकी तलाशी लेने की कोशिश की, तो उसने विस्फोटक में धमाका कर दिया। सुरक्षाबलों ने तुरंत इस इलाके की घेराबंदी कर दी और जांच शुरू कर दी। यह धमाका पुलिस स्टेशन के पास तब हुआ जब सैकड़ों लोग स्वात घाटी में हाल ही में बढ़े आतंकवाद के विरोध में पास के काबल चौक पर प्रदर्शन कर रहे थे।

घायलों को इलाज के लिए सैदु शरीफ टीचिंग हॉस्पिटल ले जाया गया। धमाके से प्रदर्शनकारियों में अफरातफरी मच गई और किसी भी गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

60 हजार प्रवासियों की घुसपैठ बाद स्पेन का सख्त कदम; समुद्र में बना दी लंबी दीवार, 67 लोगों की मौत से मचा हड़कंप

स्पेन, 02 अगस्त। उत्तरी अफ्रीका में स्थित अपने स्वायत्त क्षेत्र सेउटा (Ceuta) में पिछले सप्ताह करीब 50,000 से 60,000 प्रवासियों की भारी घुसपैठ के बाद स्पेन ने बड़ा सुरक्षा कदम उठाया है। सरकार ने मोरक्को से लगी समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबी (1,600 फीट) समुद्री बैरियर स्थापित कर दी है, ताकि भविष्य में इस तरह की अवैध घुसपैठ को रोका जा सके। स्पेन सरकार के अनुसार इस भीषण सीमा संकट में कम से कम 67 प्रवासियों की मौत हो गई। इनमें कई लोग समुद्र पार करते समय डूब गए, जबकि कई लोग ब्रेकवॉटर (समुद्री सुरक्षा बांध) पार करने की कोशिश के दौरान भगदड़ में कुचल गए। इस घटना ने पूरे यूरोप को झकझोर दिया और इसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा प्रवासी संकट माना जा

रहा है।स्पेनिश अधिकारियों के अनुसार गुरुवार और शुक्रवार के बीच लगभग 60 हजार लोग समुद्र और जमीन के रास्ते से सेउटा में घुस आए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि स्पेन को सेना तैनात करनी पड़ी , अतिरिक्त पुलिस बल भेजना पड़ा और सीमा पर सुरक्षा कई गुना बढ़ानी पड़ी। हालांकि बाद में अधिकांश प्रवासी वापस मोरक्को लौट गए। शनिवार को कुछ प्रवासी समुद्र तैरकर सेउटा पहुंचे, लेकिन वहां पहले से तैनात सैनिकों ने उन्हें तुरंत पकड़कर वापस सीमा की ओर भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने कहा, जो लोग कानून तोड़ेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। सेउटा संकट के बाद यूरोपीय देशों में अवैध प्रवास को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड, ग्रीस समेत 22 यूरोपीय देशों ने यूरोपीय संघ से इस मुद्दे पर तत्काल बैठक बुलाने और संयुक्त रणनीति बनाने की मांग की है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

-ललित गर्ग

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएं, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को

बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा देशों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

पंजाब कांग्रेस का घमासान और चुनावी समीकरण

अशोक भाटिया

पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी घमासान खुली बगावत और शक्ति-प्रदर्शन का मैदान बन चुका है। आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी के भीतर मचे इस घमासान ने केंद्रीय आलाकमान की चिंताओं को बढ़ा दिया है। पंजाब कांग्रेस प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में संगरूर और पटियाला में हुई हालिया हिंसक झड़पें, नारेबाजी और हाथापाई ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी के भीतर दरारें बहुत गहरी हो चुकी हैं। यह आलेख पंजाब कांग्रेस के इस मौजूदा संकट, इसके मुख्य चेहरों, विपक्षी दलों के रुख, भूपेश बघेल की रिपोर्ट और आगामी चुनावी समीकरणों पर इसके असर का विस्तृत विश्लेषण करता है। पंजाब में कांग्रेस का यह संकट नया नहीं है, लेकिन हालिया सांगठनिक फेरबदल के बाद इसने तीव्र रूप अख्तियार कर लिया है। पार्टी के भीतर मुख्य मुकाबला दो धड़ों के बीच है। एक तरफ अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग (प्रदेश अध्यक्ष) का गुट है, जिन्हें दिल्ली आलाकमान का खुला समर्थन हासिल है। दूसरी तरफ चरणजीत सिंह चन्नी (पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद) का गुट है, जो वर्तमान नेतृत्व को हटाने और चन्नी को कमान सौंपने की मांग पर अड़ा है। यह विवाद उस समय पूरी तरह सार्वजनिक हो गया जब पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल राज्य के संगठनात्मक दौरे पर आए थे। पटियाला और संगरूर की बैठकों में जैसे ही राजा वड़िंग ने बोलना शुरू किया, चन्नी समर्थकों ने ऱचन्नी लाओ, पंजाब बचाओऱ के नारे लगाने शुरू कर दिए। बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि दोनों गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए, धक्का-मुक्की हुई और प्रभारी मूकदर्शक बनकर देखते रह गए।

इस घमासान के पीछे केवल व्यक्तिगत वर्चस्व की लड़ाई नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक आयाम भी हैं। चन्नी खेमे का आरोप है कि राजा वड़िंग की कार्यशैली तानाशाही पूर्ण है और वे पुराने वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर रहे हैं। आलाकमान द्वारा वरिष्ठ नेता मदन लाल जलालपुर को निलंबित किए जाने के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने सीधे उनके घर जाकर मुलाकात की। यह कदम सीधे तौर पर प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग को एक खुली राजनीतिक चुनौती थी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भी जंग जारी है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चन्नी गुट चाहता है कि पार्टी अभी से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे, जबकि भूपेश बघेल ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव से पहले चेहरा घोषित नहीं किया जाएगा और पार्टी सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। राजा वड़िंग द्वारा दिए गए कुछ बयानों (जैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के रंग पर की गई टिप्पणी) ने भी आग में घी का काम किया, जिसके लिए बाद में उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी।

पंजाब कांग्रेस का इतिहास लगभग आठ दशकों से आंतरिक गुटबाजी का रहा है। 2021 में कैप्टन अमरिंदर सिंह बनाम नवजोत सिंह सिद्धू विवाद को पूरी दुनिया ने देखा था, जिसके कारण 2022 के चुनावों में कांग्रेस मात्र 18 सीटों पर सिमट गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार स्थिति और भी ज्यादा गंभीर है। पिछली बार जब विवाद हुआ था तब कांग्रेस सत्ता में थी, तो मुख्यमंत्री की कुर्सी दांव पर लगी थी। इस बार पार्टी विपक्ष में है और लड़ाई इस बात की चल रही है कि पार्टी के पुनरुद्धार का श्रेय किसे मिले। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्रीय नेतृत्व राजा वड़िंग को हटाकर राष्ट्रीय स्तर पर एक और गलत संदेश नहीं देना चाहता, क्योंकि इससे बगावत की एक नई परंपरा शुरू हो सकती है।

पंजाब कांग्रेस के इस खुले ड्रामे पर भारतीय जनता पार्टी ने बेहद आक्रामक और रणनीतिक रुख अपनाया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब कांग्रेस के इस संकट पर तीखा कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि यह लड़ाई पंजाब के भविष्य की नहीं, बल्कि केवल और केवल कुर्सी की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस की इस अंतर्कलह को लेकर राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' के नारे पर निशाना साधा और दावा किया कि जो पार्टी अपने नेताओं को नहीं संभाल सकती, वह राज्य क्या संभालेगी। इसके साथ ही, पंजाब भाजपा प्रवक्ता सरचंद सिंह ने आरोप लगाया कि राजा वड़िंग के कुछ बयान सिख अस्मिता और पगड़ी का अपमान हैं। भाजपा खुद को राज्य में एकमात्र स्थिर और अनुशासित विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के लिए कांग्रेस का यह संकट एक बड़ी राजनीतिक ढाल बनकर उभरा है। वर्तमान मुख्यमंत्री और 'आप' के नेता इस कलह का इस्तेमाल अपनी प्रशासनिक नाकामियों (जैसे कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की धीमी गति) से जनता का ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं। 'आप' प्रवक्ताओं का तर्क है कि कांग्रेस कभी भी पंजाब की भलाई नहीं सोच सकती क्योंकि उसके नेता केवल अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में लगे हैं। वे जनता के सामने यह नैरेटिव सेट कर रहे हैं कि विपक्ष पूरी तरह बिखर चुका है, इसलिए राज्य में केवल आम आदमी पार्टी ही स्थिर सरकार दे सकती है। दूसरी तरफ, शिरोमणि अकाली दल (रअऊ), जो इस समय पंजाब की राजनीति में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, कांग्रेस के इस संकट को बेहद बारीकी से देख रहा है। अकाली दल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही गुटबाजी है जिसने पहले पंजाब को बर्बाद किया और आज भी कांग्रेस के पास पंजाब के किसानों, युवाओं और सिखों के मुद्दों के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। अकाली दल इस कलह के जरिए कांग्रेस के पारंपरिक सिख और ग्रामीण वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है।

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने जिस तरह की अनुशासनहीनता और धक्का-मुक्की हुई, उसने आलाकमान को बेहद कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। बघेल ने इस पूरे घटनाक्रम और दोनों गुटों के दावों-प्रतिदावों को लेकर अपनी एक विस्तृत रिपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सौंपने की तैयारी कर ली है। प्रभारी भूपेश बघेल ने अपनी बैठकों के दौरान ही साफ कर दिया था कि पार्टी के भीतर किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनकी रिपोर्ट में उन स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को चिन्हित किया गया है जिन्होंने सार्वजनिक रूप से बैठकों में हंगामा किया और हाथापाई की। आलाकमान इन नेताओं पर निलंबन या कारण बताओ नोटिस जैसी सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। बघेल ने पंजाब दौरे के समय स्पष्ट कर दिया था कि साल 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले किसी भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा नहीं की जाएगी। आलाकमान इस स्टैंड पर अडिग रहने वाला है, ताकि चरणजीत सिंह चन्नी और राजा वड़िंग के बीच चल रही 'चेहरे की रेस' को जबरन रोका जा सके और पार्टी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरे। आलाकमान दोनों गुटों के शीर्ष नेताओं को दिल्ली तलब कर सकता है। खड़गे और राहुल गांधी दोनों पक्षों को कड़ी चेतावनी दे सकते हैं कि यदि आपसी सिरफुटव्वल नहीं रुकी, तो पार्टी में बड़े सांगठनिक फेरबदल से भी गुरेज नहीं किया जाएगा। चन्नी गुट की बगावत को शांत करने के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ी जिम्मेदारी या पंजाब चुनाव प्रबंधन समिति में महत्वपूर्ण पद देकर संतुलित करने का प्रयास किया जा सकता है। राजा वड़िंग को पद से हटाने की चन्नी गुट की मांग को आलाकमान सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे पार्टी कमजोर दिखेगी। हालांकि, नाराजगी दूर करने के लिए कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति या जिला स्तर के अध्यक्षों के चयन में चन्नी समर्थकों को तरजीह दी जा सकती है।

पंजाब कांग्रेस की इस अंतर्कलह का राज्य के आगामी राजनीतिक और चुनावी समीकरणों पर बहुत गहरा और दूरगामी असर पड़ने वाला है। चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब के एक बड़े दलित चेहरे हैं। यदि चन्नी को इसी तरह दरकिनार किया जाता रहा, तो कांग्रेस का मजबूत माना जाने वाला दलित वोट बैंक (जो पंजाब की आबादी का लगभग 32% है) पार्टी से छिटक सकता है। इस बिखरे हुए वोट बैंक को साधने के लिए भाजपा और 'आप' दोनों ही पूरी ताकत लगा रहे हैं। पंजाब की राजनीति अब द्विपक्षीय (कांग्रेस बनाम अकाली दल) नहीं रही। अब मैदान में कांग्रेस, 'आप', भाजपा और अकाली दल चारों मौजूद हैं। कांग्रेस के भीतर की कमजोरी सीधे तौर पर अन्य तीन दलों को बढ़त देती है। विशेष रूप से भाजपा, जो राज्य में अपने दम पर पैर पसारने की कोशिश कर रही है, कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं और मतदाताओं को अपनी ओर खींच सकती है। किसी भी चुनाव को जीतने के लिए जमीनी कार्यकताओं का एकजुट होना सबसे जरूरी है। शीर्ष नेतृत्व के बीच जारी इस सिरफुटव्वल से बूथ स्तर का कार्यकर्ता असमंजस और हताशा में है, जिससे चुनाव के दौरान पार्टी का प्रचार तंत्र कमजोर पड़ सकता है। इस कलह ने विपक्षी दलों को बैठे-बिठाए एक मजबूत चुनावी मुद्दा दे दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान 'आप' और भाजपा विकास के मुद्दों के बजाय कांग्रेस की अस्थिरता को मुख्य मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाएंगे, जिससे कांग्रेस को रक्षात्मक मुद्रा में आना पड़ेगा। पंजाब कांग्रेस का यह आंतरिक युद्ध ऐसे समय में हो रहा है जब राज्य की जनता बदलाव और स्थिरता की उम्मीद कर रही है। विपक्ष में होने के नाते यह समय कांग्रेस के लिए सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने और अपनी जमीन मजबूत करने का था, लेकिन आपसी कलह ने उसके सारे समीकरण बिगाड़ दिए हैं। भूपेश बघेल की रिपोर्ट और उसके बाद आलाकमान द्वारा उठाए जाने वाले कदम ही अब यह तय करेंगे कि पंजाब में कांग्रेस एकजुट होकर लड़ पाएगी या एक बार फिर 2022 की तरह बिखर जाएगी। विरोधी ताकतें इस राजनीतिक कमजोरी का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार बैठी हैं, जिससे आगामी चुनावों में कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आस्था के आकाश पर उदित हुए नीलकंठ

-सुरेश गांधी

सावन के आगमन के साथ ही देश का आध्यात्मिक परिदृश्य बदलने लगा है। काशी के घाटों से लेकर गांवों की पगडंडियों तक ह्रहर-हर महादेवह्व की गूंज सुनाई दे रही है। वर्षा की रिमझिम फुहारों के बीच शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है और गंगाजल से जलाभिषेक का क्रम तेज हो गया है। इस बार श्रावण का संयोग विशेष माना जा रहा है, क्योंकि सावन का आरंभ और समापन दोनों सोमवार से जुड़ रहे हैं तथा अंतिम सोमवार रक्षाबंधन के पावन पर्व के निकट पड़ रहा है। धमार्चार्यों के अनुसार यह केवल अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि आत्मसंयम, प्रकृति-सम्मान और लोकमंगल का संदेश देने वाला काल है। शिवलिंग पर अर्पित जल जीवन और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। कांवड़ यात्राएं, रुद्राभिषेक, बिल्वपत्र अर्पण और ॐ नमः शिवाय का जप श्रावण को भक्ति और सामाजिक सहभागिता के महाउत्सव में बदल देते हैं। सावन की यही विशेषता है कि वह मंदिर की चौखट से निकलकर जनजीवन की धड़कनों तक पहुंच जाता है और आस्था को सामूहिक उत्सव में रूपांतरित कर देता है. सावन की अंतिम संध्या जब वर्षा की बूंदें गंगा की लहरों पर गिरती हैं और दूर कहीं मंदिर की घंटी बजती है, तब ऐसा लगता है मानो स्वयं समय ठहर गया हो। उस क्षण काशी हमें एक गहरा संदेश देती है—मनुष्य का जीवन तभी सुंदर है जब उसमें श्रद्धा हो, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता हो और दूसरों के लिए करुणा हो। शायद यही महादेव की अनंत महिमा है कि वे मंदिरों की मूर्ति भर नहीं रहते, बल्कि लोकजीवन की सांसों में बस जाते हैं

सावन आते ही भारत का आध्यात्मिक आकाश बदल जाता है। मंदिरों की घंटियां, गंगाजल की धाराएं और हर-हर महादेव का गूंजता स्वर ऐसा वातावरण रचते हैं मानो पूरी प्रकृति शिवमय हो उठी हो। यह केवल धार्मिक उल्लास नहीं, भारतीय संस्कृति का वह क्षण है जब मनुष्य, प्रकृति और अध्यात्म एक सूत्र में बंध जाते हैं। वर्षा की फुहारें धरती को शीतल करती हैं तो शिव आराधना मनुष्य के भीतर की तपन को शांत करती है। शायद इसी कारण श्रावण की हर बूंद में भक्तों को महादेव की करुणा झलकती है और हर सोमवार जीवन में नए विश्वास का दीप जल उठता है। सावन को केवल पूजा-पाठ का महीना कहना उसके व्यापक अर्थ को सीमित करना होगा। यह भारतीय जीवनदर्शन का हरित उत्सव है—संयम का, प्रकृति-प्रेम का और लोकमंगल का। समुद्र मंथन की वह अमर कथा, जब महादेव ने हलाहल विष को कंठ में धारण कर सृष्टि की रक्षा की, आज भी समाज को त्याग, करुणा और उत्तरदायित्व का संदेश देती है। नीलकंठ शिव का यह रूप बताता है कि महानता अधिकार से नहीं, दूसरों के दुख को अपने भीतर समेट लेने की क्षमता से जन्म लेती है।

महाशिवरात्रि को शिव आराधना का सर्वोच्च पर्व माना गया है, किंतु श्रावण वह काल है जब शिवभक्ति लोकजीवन की धड़कन बन जाती है। हर-हर महादेव की ध्वनि केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहती; खेतों, गलियों, घाटों और घरों तक फैल जाती है। पुराणों में सोमवार को शिवपूजन का दिन कहा गया है, पर सावन का सोमवार भक्ति का महापर्व बन जाता है। इसी कारण लाखों लोग इस मास में उपवास, जप, रुद्राभिषेक, सात्विक आहार और आत्मसंयम का संकल्प लेते हैं। वस्तुतः यह आत्मा की शुद्धि का उत्सव है। इस वर्ष श्रावण का संयोग विशेष महत्व रखता है। पंचांग के अनुसार श्रावण मास 30 जुलाई 2026 से 28 अगस्त 2026 तक रहेगा। इसके प्रमुख सावन सोमवार 3, 10, 17 और 24 अगस्त को पड़ेंगे। अंतिम सोमवार रक्षाबंधन के पावन पर्व से जुड़ रहा है, इसलिए यह शिवभक्ति और पारिवारिक मंगलकामना का अद्वितीय संगम माना जा रहा है। ऐसे दुर्लभ संयोग वर्षों में कभी-कभी आते हैं और लोकमानस इन्हें विशेष पुण्यफलदायी मानता है।

वर्षा ऋतु और शिव के बीच गहरा संबंध

वर्षा ऋतु और शिव के बीच भारतीय चेतना ने सदियों से एक गहरा संबंध देखा है। शिव के त्रिनेत्रों में सूर्य, चंद्र और अग्नि का प्रतीकात्मक निवास माना गया है। जब सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है और मेघ बरसते हैं, तब भक्त इसे उस नीलकंठ की शीतलता से जोड़ते हैं जिसने विष को धारण कर जगत को बचाया। देवताओं द्वारा शिव पर जल अर्पित करने की कथा ही आज के जलाभिषेक की आधारभूमि है। जलाभिषेक का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं है; उसके भीतर गहन दार्शनिक और पर्यावरणीय चेतना निहित है। जल जीवन का मूल तत्व है। शिवपुराण में कहा गया है—

संजीवनं समस्तस्य जगतः सलिलात्मकम।

अर्थात समस्त जगत को जीवन देने वाला जल स्वयं शिव का स्वरूप है। इसलिए शिवलिंग पर अर्पित जल हमें प्रकृति, जीवन और संरक्षण की संस्कृति का स्मरण कराता है। जल का सम्मान ही पर्यावरण का सम्मान है; और यही शिवपूजन का वास्तविक अर्थ भी है। भगवान शंकर को महादेव इसलिए कहा गया कि वे भेद से परे हैं। देव, दानव, मानव, नाग, यक्ष—सभी उनके आराध्य हैं। वे करुणा के देवता हैं, सीमाओं के नहीं। श्रावण मास में बिल्वपत्र, धतूरा, गंगाजल और पंचामृत से किया जाने वाला अभिषेक इस बात का प्रतीक है कि साधक अपना अहंकार त्यागकर प्रकृति और परमात्मा से एकात्म होने का प्रयास कर रहा है।

पशु-पक्षियों में नवचेतना और मनुष्य के भीतर सौंदर्य, करुणा का भाव

सावन की हरियाली केवल धरती पर नहीं उतरती, मन पर भी उतरती है। रिमझिम वर्षा खेतों में जीवन लौटाती है, पशु-पक्षियों में नवचेतना जगाती है और मनुष्य के भीतर सौंदर्य, करुणा और काव्य का भाव भर देती है। इसलिए भारतीय लोकगीतों में सावन प्रेम, विरह, भक्ति और उल्लास का महीना बनकर आता है। यह ऋतु बाहरी प्रकृति को ही नहीं, भीतर की संवेदना को भी हरा-भरा कर देती है। श्रावण मास स्त्री-आस्था से भी गहराई से जुड़ा है। मान्यता है कि माता पार्वती ने इसी मास में कठोर तपस्या कर शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। इसलिए अविवाहित युवतियां उत्तम जीवनसाथी की कामना से और विवाहित महिलाएं दांपत्य-सौभाग्य एवं परिवार की मंगलकामना से शिव-पार्वती का पूजन करती हैं। सोमवार व्रत के संकल्प में कहा जाता है—

मम क्षेमस्थैर्यविजयारोग्यैश्वर्याभिवृद्ध्यर्थं सोमवारव्रतं करिष्ये।

यह मंत्र स्पष्ट करता है कि व्रत का उद्देश्य केवल भौतिक लाभ नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्थिरता, विजय और आध्यात्मिक उन्नति भी है। सावन सोमवार, सोलह सोमवार और सोम प्रदोष—ये तीनों व्रत भारतीय श्रद्धा परंपरा में विशेष स्थान रखते हैं। शिवपूजन के पश्चात कथा श्रवण और आरती का विधान है। काशी विश्वनाथ सहित द्वादश ज्योतिर्लिंगों में गंगाजल अर्पित करने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है कि शिवकृपा से मनोवांछित फल प्राप्त होता है और जीवन का अंधकार दूर होता है। शिवलिंग को शिव का साक्षात प्रतीक माना गया है। ह्रलिंगह्व का अर्थ है—वह जिसमें समस्त सृष्टि लीन होकर पुनः प्रकट होती है। इसलिए शिवलिंग के दर्शन को महादेव के दर्शन के समान माना गया है। सावन में घर-घर स्थापित शिवलिंगों पर जलधारा चढ़ती है और मंदिरों में श्रद्धा की पंक्तियां अनवरत बहती रहती हैं। यह दृश्य केवल धर्म नहीं, भारतीय सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत प्रमाण है।

ॐ नमः शिवाय जप से शांत होता है अहंकार

आज के समय में सावन का संदेश और भी व्यापक हो गया है। जल संकट, पर्यावरण विनाश, पारिवारिक विघटन और मानसिक अशांति से जूझती दुनिया के बीच श्रावण हमें संयम, जल संरक्षण, प्रकृति-प्रेम, करुणा और आत्मशुद्धि की ओर लौटने का आह्वान करता है। जब हम शिवलिंग पर जल अर्पित करते हैं, तब वस्तुतः अपने भीतर की तपन को शीतल करने का संकल्प लेते हैं। जब बेलपत्र चढ़ाते हैं, तब प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। जब ह्रॐ नमः शिवायह्व का जप करते हैं, तब अपने अहंकार को शांत करने का अभ्यास करते हैं। महादेव केवल कैलास पर विराजमान देवता नहीं, वे लोकमंगल की चेतना हैं। वर्षा की हर बूंद, मंदिर की हर घंटी, गंगाजल की हर धारा और भक्त के हर नमित मस्तक में वही करुणामय शिव स्पंदित हैं। इसलिए सावन की सार्थकता बाहरी अनुष्ठानों में नहीं, उस भीतरी परिवर्तन में है जो मनुष्य को अधिक विनम्र, अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय बनाता है। सावन अंततः हमें यही स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक शांति बाहर नहीं, भीतर के शिवत्व को जगाने में है। जो श्रद्धा से महादेव के चरणों में झुकता है, उसके जीवन में आशा का दीप जलता है, मन में शांति उतरती है और नए प्रभात की संभावना जन्म लेती है। इसीलिए भारतीय लोकमानस कहता है—सावन में केवल वर्षा नहीं बरसती, शिव की कृपा बरसती है।

सावन का लोकजीवन और काशी की शिवमयी संस्कृति

श्रावण का महीना केवल मंदिरों की परिक्रमा तक सीमित नहीं रहता; वह भारतीय लोकजीवन की नसों में उतर जाता है। विशेषकर काशी में सावन का अनुभव एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है। भोर होते ही घाटों पर गंगाजल भरते कांवरिए, गलियों में गूंजते शिवभजन, मंदिरों के बाहर कतारबद्ध श्रद्धालु और वर्षा से धुली प्राचीन दीवारें—यह सब मिलकर ऐसी अनुभूति रचते हैं जिसे शब्दों में पूरी तरह बांध पाना कठिन है। काशी मानो इस महीने में स्वयं शिव का विस्तृत आंगन बन जाती है। भारत की आध्यात्मिक राजधानी कही जाने वाली काशी में शिव केवल पूजे नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। यहां का जनजीवन महादेव के नाम से आरंभ होता है और उसी में विश्राम पाता है। सावन के सोमवारों पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए उमड़ने वाली भीड़ आस्था का दृश्य मात्र नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक निरंतरता का प्रमाण है जो हजारों वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। गंगा तट पर दीप, धूप और घंटियों की सम्मिलित ध्वनि किसी एक धर्मकर्म का नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सामूहिक स्मृति का संगीत प्रतीत होती है।

सावन केवल ऋतु नहीं, आशा का मौसम

सावन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी लोकपरंपरा में है। गांवों में झूले पड़ते हैं, कजरी गाई जाती है, महिलाएं समूह बनाकर मंगलगीत गाती हैं और बच्चे वर्षा में भीगते हुए प्रकृति का उत्सव मनाते हैं। यह वही महीना है जब खेतों में धान की रोपाई के साथ लोकगीतों की लय सुनाई देती है। किसान के लिए सावन केवल ऋतु नहीं, आशा का मौसम है। बादलों की पहली गड़गड़ाहट उसके लिए भविष्य की हरियाली का संदेश होती है। इसलिए भारतीय लोककाव्य में सावन प्रेम और विरह जितना है, उतना ही श्रम और उम्मीद का भी महीना है।

कांवड़ यात्रा

काशी की गलियों में सावन का एक और दृश्य दिखाई देता है—कांवड़ यात्रा। दूर-दूर से आए श्रद्धालु गंगाजल लेकर पैदल चलते हैं। उनके कदमों की थकान में भी भक्ति का उत्साह बना रहता है। यह यात्रा केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, अनुशासन, धैर्य और सामूहिकता का अभ्यास भी है। रास्ते भर स्थानीय लोग सेवा-शिविर लगाकर जल, भोजन और विश्राम की व्यवस्था करते हैं। इस प्रकार सावन समाज में सेवा की वह परंपरा जगाता है जिसमें अपरिचित भी अपना बन जाता है। शिवभक्ति का एक गहरा मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है। आधुनिक जीवन की आपाधापी, तनाव और प्रतिस्पर्धा से थका हुआ मन जब मंदिर की घंटियों के बीच कुछ क्षण मौन खड़ा होता है, तो उसे भीतर एक विशिष्ट शांति का अनुभव होता है। ह्रॐ नमः शिवायह्व का मंत्र केवल धार्मिक उच्चारण नहीं, श्वास और चेतना को संतुलित करने वाली ध्वनि भी है। अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित जप और ध्यान मन की चंचलता को कम करते हैं। भारतीय परंपरा ने इसे सदियों पहले अनुभव के स्तर पर जान लिया था।

विरोधाभासों को स्वीकार किए बिना संतुलन संभव नहीं

शिव का स्वरूप स्वयं में एक अद्भुत दार्शनिक पाठ है। जटाओं में गंगा, मस्तक पर चंद्रमा, कंठ में विष, शरीर पर भस्म और गले में नाग—इन सब प्रतीकों का अर्थ है कि जीवन के विरोधाभासों को स्वीकार किए बिना संतुलन संभव नहीं। शिव हमें सिखाते हैं कि शक्ति और करुणा, वैराग्य और लोकमंगल, मौन और तांडव—सभी एक ही अस्तित्व के आयाम हो सकते हैं। यही कारण है कि शिव भारतीय चिंतन में सबसे अधिक मानवीय देवता माने गए हैं। सावन का संबंध पर्यावरण से भी अत्यंत गहरा है। वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण, जलस्रोतों की रक्षा और हरियाली का संरक्षण भारतीय परंपरा का हिस्सा रहे हैं। बेलपत्र, पीपल, बरगद और अन्य वृक्षों को धार्मिक महत्व देकर हमारे पूर्वजों ने प्रकृति संरक्षण को आस्था से जोड़ दिया। आज जब नदियां प्रदूषण और जलसंकट से जूझ रही हैं, तब सावन का संदेश केवल पूजा तक सीमित नहीं रह सकता। यदि शिव को प्रसन्न करना है तो जल, जंगल और जमीन की रक्षा करनी होगी; यही आधुनिक काल का वास्तविक जलाभिषेक है।

शिव-पार्वती का दांपत्य सम्मान का प्रतीक

परिवार और समाज की दृष्टि से भी सावन का विशेष महत्व है। इस महीने में लोग रिश्तों की मंगलकामना करते हैं, घरों में सामूहिक पूजा होती है और पीढ़ियां एक साथ बैठकर परंपराओं को याद करती हैं। अंतिम सावन सोमवार का रक्षा बंधन से जुड़ना इस अर्थ को और गहरा कर देता है—भक्ति और संबंध, दोनों की रक्षा आवश्यक है। शिव-पार्वती का दांपत्य भारतीय संस्कृति में समानता, धैर्य और परस्पर सम्मान का प्रतीक माना गया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सावन को केवल धार्मिक आयोजन न बनने दें। इसे सामाजिक संवेदना, पर्यावरण चेतना और आत्मसंयम के पर्व के रूप में पुनः समझें। यदि इस महीने में हम जल बचाने का संकल्प लें, वृक्ष लगाएं, परिवार के साथ समय बिताएं, क्रोध कम करें और सेवा का एक छोटा कार्य भी करें, तो शिवभक्ति जीवनोपयोगी बन जाएगी।

दिल दीवाना हो गया : नए कलाकारों, मधुर संगीत और पारिवारिक भावनाओं से सजी एक खूबसूरत प्रेम कहानी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज के दौर में जब बॉलीवुड में एक्शन, हिंसा और बड़े बजट की फिल्मों का बोलबाला है, ऐसे समय में निमार्ता इश्पॉल सिंह चावला ने एक साफ-सुथरी, भावनात्मक और पारिवारिक रोमांटिक फिल्म बनाने का साहस दिखाया है। दिल दीवाना हो गया केवल एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि रिश्तों, भरोसे, त्याग और पारिवारिक मूल्यों को खूबसूरती से प्रस्तुत करने वाली फिल्म है। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने नए कलाकारों पर भरोसा जताकर उन्हें एक बड़ा मंच दिया है, जो काबिल-ए-तारीफ है। कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और गलतफहमियों पर बॉलीवुड में कई सफल फिल्में बनी हैं, लेकिन दिल दीवाना हो गया अपनी सरल कहानी, भावनात्मक प्रस्तुति और मधुर संगीत की वजह से अलग पहचान बनाने में सफल रहती है। इस सप्ताह हॉलीवुड फिल्म स्पाइडरमैन जैसी बड़ी रिलीज के साथ सिनेमाघरों में आने के बावजूद यह फिल्म अपने दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहती है। फिल्म की कहानी राहुल, नैना और राज नाम के तीन दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ऐसा प्रेम त्रिकोण जिसमें प्यार है, त्याग है, गलतफहमियां हैं और भावनाओं का संघर्ष है। राहुल नैना से प्यार करता है जबकि नैना का झुकाव राज की तरफ है। रिश्तों के इसी उलझे हुए सफर में कहानी आगे बढ़ती है और इंटरवल के बाद कई दिलचस्प मोड़ दर्शकों को बांधे रखते हैं। फिल्म का क्लाइमेक्स भी दर्शकों को चौंकाने में सफल रहता है। फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री काजल चौहान ने बड़े पर्दे पर बेहद प्रभावशाली शुरूआत की है। नैना के किरदार में उनकी मासूमियत, भावनात्मक अभिव्यक्ति और स्क्रीन प्रेजेंस प्रभावित करती है। वह हर फ्रेम में सहज और स्वाभाविक नजर आती हैं। भानूज सूद ने राहुल के किरदार में जान डाल दी है। उनकी अभिनय क्षमता देखकर कहीं से महसूस नहीं होता कि यह उनकी पहली फिल्म है। भावनात्मक दृश्यों से लेकर रोमांटिक पलों तक उन्होंने बेहतरीन संतुलन बनाया है। काजल चौहान और भानूज सूद की केमिस्ट्री भी पर्दे पर काफी अच्छी लगती है।

कोहिनूर इमारत हादसे में बड़ी कार्रवाई: केयरटेकर अमृतलाल निषाद गिरफ्तार, 5 अगस्त तक पुलिस हिरासत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कोहिनूर इमारत में गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे के मामले में भोईवाड़ा पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार देर रात इमारत मालिक बिलाल अहमद अबूबकर खान और मरम्मत कार्य के ठेकेदार अशोक के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने शनिवार को इमारत के केयरटेकर अमृतलाल निषाद (49) को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को छुट्टी के दिन अदालत में पेश किए जाने पर न्यायालय ने अमृतलाल निषाद को 5 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, अमृतलाल निषाद दुर्घटनाग्रस्त कोहिनूर इमारत में ही रहता था और इमारत मालिक बिलाल अहमद अबूबकर खान के फ्लैटों का किराया वसूलने का काम करता था। बताया जा रहा है कि इमारत की मरम्मत के लिए फ्लैटधारकों से पैसे एकत्र करने और मजदूरों के माध्यम से मरम्मत कार्य करवाने की जिम्मेदारी भी अमृतलाल निषाद संभाल रहा था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इमारत में मरम्मत कार्य किस प्रकार कराया जा रहा था, इसके लिए किन लोगों की जिम्मेदारी थी और मरम्मत के दौरान आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गई थीं या नहीं। कोहिनूर इमारत हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। मामले में कुल दो अन्य आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जिनकी भोईवाड़ा पुलिस तलाश कर रही है। हादसे के बाद पुलिस की कार्रवाई से मामले में जिम्मेदार लोगों पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। अब पुलिस हिरासत के दौरान केयरटेकर से पूछताछ में हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों के सामने आने की संभावना है।

सैमसंग की नई गैलेक्सी Z सीरीज के लिए रिकॉर्ड प्री- ऑर्डर्स

मुंबई। सैमसंग के 8वीं पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फ्लिप8 ने प्री-ऑर्डर के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह भारत में फोल्डेबल टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और ग्राहकों के जबरदस्त उत्साह को दर्शाता है। 22 जुलाई को भारत में लॉन्च होने के महज 72 घंटों के भीतर इन नए डिवाइसेस के लिए 2,71,000 से अधिक प्री-ऑर्डर दर्ज किए गए। पिछले साल, सैमसंग इंडिया को अपने गैलेक्सी Z फोल्ड7 और Z फ्लिप7 के लिए इतने ही प्री-ऑर्डर पाने में 15 दिन लगे थे।

गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फ्लिप8 ने यह शानदार सफलता हासिल की है, जिसमें 45% प्री-ऑर्डर टियर 2 और उससे छोटे शहरों से आए हैं। यह इन क्षेत्रों में फोल्डेबल डिवाइसेस की बढ़ती मांग को दर्शाता है, जिससे यह अपार संभावनाओं वाले एक नए बाजार के रूप में उभर रहा है। यह उछाल न केवल फोल्डेबल स्मार्टफोन्स की व्यापक लोकप्रियता को दिखाता है, बल्कि ग्राहकों की बदलती पसंद को भी दर्शाता है, जहाँ नया इनोवेशन अब सिर्फ बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रह गया है। इस अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए, सैमसंग को भरोसा है कि वह इस साल की शुरूआत में लॉन्च हुई S26 सीरीज के बराबर प्री-ऑर्डर हासिल कर लेगा।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ बोईसर से संजान आश्रम के लिए निकली भव्य दिव्य कांवड़ यात्रा

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्रावण मास के पावन अवसर पर रविवार को पालघर जिले के बोईसर शहर में आस्था, श्रद्धा व भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। बोईसर वाण गंगा शिव कांवड़ यात्रा संघ के तत्वावधान में निकली भव्य दिव्य कांवड़ यात्रा ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बम-बम भोले₹ के गगनभेदी जयघोष के बीच श्रद्धापूर्वक रवाना हुई।

रविवार 2 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे बोईसर शहर के ओस्तवाल एम्पायर स्थित इच्छापूर्ति श्री गणेश मंदिर से कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। ब्रह्मलीन संत श्री श्री 1008 सरखण्डी जी महाराज के कृपापात्र शिष्य श्री 108 झारखण्ड ऋषिजी ने श्रीफल फोड़कर एवं श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देकर यात्रा को विधिवत रवाना किया। यह पवित्र कांवड़ यात्रा बोईसर से संजान आश्रम तक पहुंचेगी, जहां शिवभक्त श्रावण मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त 2026 को प्रातः श्री अमरकंठ महादेव भगवान का पवित्र जल से जलाभिषेक करेंगे। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे यात्रा मार्ग पर भक्ति गीतों, शिव भजनों और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया तथा जलपान व पेयजल की व्यवस्था कर सेवा-भाव का परिचय दिया। श्रद्धा, अनुशासन व धार्मिक उत्साह से परिपूर्ण इस कांवड़ यात्रा ने बोईसर क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का संचार करते हुए सामाजिक एकता व धार्मिक सद्भाव का संदेश दिया। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने हिस्सा लेकर पूरे वातावरण को शिवमय बना दिया।

कुणबी समाज विकास संघ, मुलुंड द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित, 150 यूनिट रक्त संग्रह

मुंबई। कुणबी समाज विकास संघ, मुलुंड द्वारा गौशाला हॉल, मुलुंड (मुंबई) में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवा और मानव कल्याण के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष विनायक घाणेकर ने की। इस अवसर पर संघ के सरचिटणीस रविंद्र मोण्डगाकर तथा खजीनदार महेंद्र ऊके सहित समाज के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में प्रमुख अतिथियों के रूप में विजयजी नयनाक, प्रदीप घाणेकर, रुपाली सुभेदार, चंद्रकांत चोगाले, प्रवीण शिबे, डॉ. सचिन सिंह एवं डॉ. आर. एम. पाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इस सामाजिक पहल को प्रेरणादायक बताया।

आयोजकों के अनुसार शाम 4 बजे तक 150 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूती मिली। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं और लोगों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी रक्तदाताओं, अतिथियों एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

मिरा-भायंदर महानगरपालिका की बड़ी कार्रवाई: उत्तन नाका स्थित खतरनाक 'सागर दर्शन' इमारत का ध्वस्तीकरण शुरू

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। रविवार, 2 अगस्त 2026 को मीरा-भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त राधाबिनोद शर्मा (भा.प्र.से.) की उपस्थिति में प्रभाग समिति क्रमांक 1 के अंतर्गत उत्तन नाका स्थित 'सागर दर्शन' नामक खतरनाक घोषित इमारत पर ध्वस्तीकरण (तोड़क) कार्रवाई शुरू की गई।

महानगरपालिका प्रशासन ने बताया कि शहर की जर्जर एवं खतरनाक इमारतों के कारण नागरिकों के जान-माल को किसी प्रकार का नुकसान न हो तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, इसी उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी प्रतिबंधात्मक उपायों के तहत खतरनाक भवनों को हटाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त (अतिक्रमण) स्वप्नील सावंत, अतिक्रमण विभाग प्रमुख नरेंद्र चव्हाण, प्रभाग समिति क्रमांक 1 की सहायक आयुक्त दीपाली पवार सहित महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोहिनूर हादसे के बाद खतरनाक हिस्सा गिराने का विरोध, रहवासी बोले पहले पंचनामा, सामान और दस्तावेज निकालने दें

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर के नारपोली गंगारामवाड़ी परिसर स्थित कोहिनूर अपार्टमेंट में गुरुवार रात हुए दर्दनाक हादसे में 10 लोगों की मौत के बाद रविवार को मनपा प्रशासन द्वारा इमारत के बचे हुए हिस्से को गिराने की कार्रवाई शुरू की जानी थी। हालांकि, स्थानीय रहवासियों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की। रहवासियों का कहना है कि उनके फ्लैटों में कीमती सामान, महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य आवश्यक वस्तुएं मौजूद हैं। इसलिए इमारत गिराने से पहले उन्हें सुरक्षित रूप से अपना सामान निकालने का अवसर दिया जाए। साथ ही, प्रत्येक फ्लैट का पंचनामा कर संपत्ति और नुकसान का आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार किया जाए। कोहिनूर अपार्टमेंट में कुल 48 फ्लैट हैं। इमारत का बी-विंग पूरी तरह ढह जाने के बाद मनपा प्रशासन ने शेष ए-विंग को भी गिराने की तैयारी शुरू कर दी थी। इसके लिए मौके पर पोकलेन मशीन और मनपा कर्मचारी पहुंच गए थे। लेकिन रहवासियों के विरोध के चलते कार्रवाई को रोकना पड़ा। रहवासियों ने मांग की कि संबंधित बिल्डर द्वारा इमारत का दोबारा निर्माण कराकर देने तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और वैकल्पिक आवास के संबंध में ठोस एवं लिखित आश्वासन दिया जाए। उनका कहना है कि जब तक पंचनामा, नुकसान का रिकॉर्ड, घरों से सामान व महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित निकालने की व्यवस्था तथा वैकल्पिक आवास को लेकर स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलता, तब तक इमारत का शेष हिस्सा नहीं गिराया जाना चाहिए। हादसे के बाद मनपा प्रशासन ने कोहिनूर अपार्टमेंट से सटी एक अन्य इमारत को भी संभावित रूप से खतरनाक पाया है। प्रशासन ने वहां रहने वाले नागरिकों को तत्काल इमारत खाली करने, स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने और आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद कई रहवासियों ने अपना सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया है।हालांकि, इस इमारत के रहवासियों ने भी तत्काल तोड़फोड़ का विरोध किया है। उनका कहना है कि पहले पूरी तरह पंचनामा किया जाए, नुकसानग्रस्त लोगों की सूची तैयार की जाए, घरों से सामान व महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित निकालने की व्यवस्था की जाए और वैकल्पिक निवास के संबंध में लिखित आश्वासन दिया जाए। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाये। रहवासियों के विरोध के बाद प्रभाग समिति क्रमांक 4 के सहायक आयुक्त अरविंद घोगरे ने फिलहाल कार्रवाई रोक दी है।

केसीएन क्लब द्वारा नागरिक जनजागरण दिवस के रूप में मनाया गया समाजसेवी डॉ. रविंद्र मिश्र का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर शहर के अवधनगर स्थित दुर्गा मंदिर हॉल में युवा समाजसेवी एवं कई सामाजिक संगठनों के प्रणेता डॉ. रविंद्र मिश्र का जन्मदिन केसीएन क्लब की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा 'नागरिक जनजागरण दिवस' के रूप में उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत आरती एवं पूजन के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित अतिथियों ने डॉ. रविंद्र मिश्र को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने डॉ. मिश्र के सामाजिक योगदान, सेवा भावना एवं जनकल्याण के लिए किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला तथा उनके स्वस्थ, सफल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर जन्मदिन को सामाजिक संदेश से जोड़ते हुए केक काटने के बजाय आरती, पूजन और लड्डू खिलाकर जन्मोत्सव मनाया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी पहल बताया।

कार्यक्रम में केसीएन क्लब के संरक्षक शोभनाथ त्रिपाठी, राष्ट्रीय मानवाधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग के अध्यक्ष पंडित दयाराम मिश्र, विश्व हिंदू परिषद बोईसर प्रखंड अध्यक्ष एस.पी. सिंह, चंदन झा, अक्षय कांबले, विकास झा, राकेश शर्मा, शैलेंद्र मिश्र, पत्रकार अजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

महापौर के जन्मदिन पर मीरा-भायंदर मनपा की नागरिकों को सौगात

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। शनिवार, 2 अगस्त 2026 को मीरा-भायंदर महानगरपालिका की महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता के जन्मदिन के अवसर पर नागरिकों को तेज, पारदर्शी और सरल नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महानगरपालिका की तीन महत्वपूर्ण डिजिटल सेवाओं का शुभारंभ किया गया। इन सेवाओं का लोकार्पण महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता के शुभहस्तों से तथा महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा (भा.प्र.से.) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल के माध्यम से नागरिक अब कई महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ घर बैठे ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। यह कदम नागरिक-केंद्रित एवं तकनीक आधारित प्रशासन की दिशा में महानगरपालिका की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

शुभारंभ की गई डिजिटल सेवाओं में ऑनलाइन जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र सेवा, सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडप अनुमति (एनओसी) पोर्टल तथा 'पॉथोल रिपोर्टिंग एंड रिपेयर सिस्टम' मोबाइल ऐप शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रशासनिक कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और सेवाएं अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, शहर अभियंता दीपक खांबित, महिला एवं बाल कल्याण समिति की उपसभापति हेमा बेलानी, सिस्टम मैनेजर राज कुमार घरत नगरसेविकाएं दीप्ती भट, हेतल परमार, सुरेखा सोनार, स्नेहा पांडे, रूपाली मोदी तथा नगरसेवक तरुण शर्मा, विशाल पाटिल सहित महानगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुंबई में 4 अक्टूबर को होगा चौथा प्रजापति बिजनेस मिलाप, देशभर के उद्यमी होंगे शामिल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज के उद्यमियों और व्यवसायियों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से चौथे प्रजापति बिजनेस मिलापझ्2026 का आयोजन 4 अक्टूबर 2026 (रविवार) को होटल कशिश इंटरनेशनल, कल्याण (पूर्व), मुंबई में किया जाएगा। इस आयोजन में महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से समाज के उद्योगपति, व्यापारी, स्टार्टअप संस्थापक, प्रोफेशनल्स एवं युवा उद्यमी भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के व्यापारियों के बीच आपसी परिचय, नेटवर्किंग, नए व्यावसायिक अवसर, निवेश, व्यापार विस्तार तथा रोजगार के नए आयाम विकसित करना है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के सफल व्यवसायी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा नए उद्यमियों को मार्गदर्शन भी देंगे। बिजनेस मिलाप में रियल एस्टेट, बिल्डर्स एवं डेवलपर्स, होम लोन एवं बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, ऑटोमोबाइल, निर्माण सामग्री, स्टील एवं हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल्स, सैनिटरी एवं टाइल्स, आईटी एवं टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स, मेडिकल एवं हेल्थकेयर, शिक्षा, होटल एवं हॉस्पिटैलिटी, फूड इंडस्ट्री, टेक्सटाइल, डिजिटल मार्केटिंग, कृषि आधारित उद्योग, प्रोफेशनल सर्विसेज सहित अनेक व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों में शरद प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति, रामसुरेश प्रजापति एवं उनकी टीम शामिल है। आयोजकों ने समाज के सभी व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं युवा उद्यमियों से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आपसी सहयोग और व्यापारिक एकता को मजबूत बनाने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि ह्लचौथा प्रजापति बिजनेस मिलापह्व समाज के व्यापारिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो नए अवसरों, साझेदारियों और आत्मनिर्भर उद्यमिता को बढ़ावा देगा।

मंत्रियों के लिए अखबार वितरण पर रोक का फैसला वापस लिया जाये : लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मंत्रियों, राज्यमंत्रियों, उनके कार्यालयों एवं शासकीय आवासों पर छपे हुए समाचार पत्रों की खरीद एवं वितरण पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय का लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ ने कड़ा विरोध किया है। महासंघ के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय एम. देशमुख ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की है। देशमुख ने कहा कि खर्च में कटौती के नाम पर प्रिंट मीडिया को कमजोर करना लोकतंत्र और स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए उचित नहीं है। समाचार पत्र संचालक, पत्रकार और अखबार विक्रेता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इस निर्णय से न केवल पत्रकारिता बल्कि हजारों अखबार विक्रेताओं और हॉकर्स की आजीविका भी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया का विस्तार होने के बावजूद मुद्रित समाचार पत्रों की विश्वसनीयता आज भी कायम है। मंत्रालयों और सरकारी कार्यालयों में आने वाले समाचार पत्रों का लाभ केवल मंत्री या अधिकारी ही नहीं, बल्कि कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक भी उठाते हैं। इससे पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है तथा विभिन्न भाषाओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। महासंघ का कहना है कि सरकार यदि खर्च कम करना चाहती है तो अनावश्यक प्रशासनिक खर्च, अतिरिक्त वाहनों के उपयोग तथा अन्य गैर-जरूरी व्ययों में कटौती जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले प्रिंट मीडिया पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले निर्णय से बचना चाहिए। संजय एम. देशमुख ने कहा कि पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे समाचार पत्र उद्योग पर इस तरह के फैसले से अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इससे अखबार विक्रेताओं और हॉकर्स के रोजगार पर भी संकट उत्पन्न होगा। लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि प्रिंट मीडिया को प्रोत्साहन देने, पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा विश्वसनीय पत्रकारिता को मजबूत बनाने के लिए मंत्रियों एवं शासकीय कार्यालयों में समाचार पत्र वितरण पर लगाये गये प्रतिबंध को तत्काल वापस लिया जाये।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवा ठान लें तो नशा हो सकता है खत्म: कुलपति प्रो.वंदना सिंह

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प के तहत पीयू में नई पहल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं संबंधित विभागों के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में एक साथ प्रारंभ हुए इस 100 सप्ताहीय राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की बुराइयों से दूर रखते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के दौरान नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी), नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत लघु नाटक ने उपस्थित युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। नाटक में यह दर्शाया गया कि किस प्रकार युवा नशे की गिरफ्त में आते हैं, उनका जीवन और परिवार प्रभावित होता है तथा जागरूकता एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के माध्यम से इस समस्या से मुक्ति पाई जा सकती है।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संदेश के लाइव प्रसारण से हुआ। इसके उपरांत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि 'आज का दिन भारतीय युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प का दिन है। यदि युवा ठान लें तो समाज से नशे की बुराई को समाप्त करना कठिन नहीं है। देशभर के विश्वविद्यालयों में एक साथ आयोजित यह अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।'

उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत का संकल्प केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कुलपति ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए युवाओं से नशा मुक्त जीवनशैली अपनाने की अपील की। वहीं वित्तीय अध्ययन विभाग के शोध छात्र उद्देश्य सिंह ने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे का त्याग किए बिना सशक्त भारत का निर्माण संभव नहीं है।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट अदिति मिश्रा ने 'नशा मुक्त युवा और विकसित भारत' विषय पर प्रेरक वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम से पूर्व प्रतिभागियों ने विकसित भारत-2047 एवं नशा मुक्त युवा अभियान के लिए बनाए गए विशेष सेल्फी स्टैंड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र के साथ सेल्फी लेकर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं नशा मुक्त परिसर एवं समाज अभियान के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्ष 2023 से विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नशा मुक्त परिसर अभियान को सभी का निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने आगामी 100 सप्ताह तक आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने उपस्थित जनसमूह से स्वयं तथा अपने परिजनों का माई भारत पोर्टल पर ई-प्लेज एवं प्रमाणपत्र के लिए पंजीकरण कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी रक्षित प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापकगण, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

32 देशों के बीच रेणुकूट के रवि सिंह ने जीता ब्रॉन्ज, थाईलैंड में लहराया भारत का तिरंगा

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद्र के रेणुकूट निवासी एवं हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत रवि सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का गौरव बढ़ाया है। रवि सिंह ने थाईलैंड के पटाया शहर में आयोजित 9वीं हीरोज ताईक्वानडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप-2026 में पुरुष वर्ग के अंडर-58 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) जीतकर देश, उत्तर प्रदेश, सोनभद्र और रेणुकूट का नाम रोशन किया।

31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनिया के 32 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच रवि सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराया।

रवि सिंह, स्वर्गीय महामाया प्रसाद सिंह के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, टीम कोच हरप्रीत सिंह, राकेश कुमार एवं रंजीत सूरज को दिया।

मार्गदर्शन और विश्वास की बदौलत ही वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक साथ ही हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के यूनिट प्रमुख समीर नायक, क्लस्टर एचआर हेड जसबीर सिंह, एचआर हेड अजय सिन्हा तथा बॉयलर को-जनरेशन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग, जीतने में सफल हुए।

रवि सिंह की इस उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और हिण्डालको इंडस्ट्रीज रेणुकूट के कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। जिले के खेल प्रेमियों और गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पोखरे में डूबने से दो किशोरों की मौत, बचाने गया दोस्त भी नहीं बच सका

मुहम्मद आरिफ खान

लालगंज, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव थाना क्षेत्र के कालीचाबाद गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में पोखरे में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, कालीचाबाद गांव निवासी अंशु मौर्य (17 वर्ष) दोपहर करीब 12 बजे गांव के पोखरे में नहा रहा था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए किनारे पर खड़ा अल्तमस (16 वर्ष) तुरंत पोखरे में कूद गया, लेकिन बचाने के प्रयास में वह भी गहरे पानी में समा गया।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद दोनों किशोरों को पोखरे से बाहर निकाला। परिजन उन्हें लेकर सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, लालगंज पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर देवगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस हृदयविदारक घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

श्री बांके बिहारी सेवा ट्रस्ट जौनपुर का वृक्षारोपण अभियान

फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से शनिवार को श्री कृष्णा इंटर कॉलेज, मीरगंज परिसर में श्री बांके बिहारी सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों व बच्चो ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में पौधारोपण से हुई। इस दौरान आम, अमरूद, बादाम सहित कई उपयोगी एवं पर्यावरण के लिए लाभदायक पौधे लगाए गए। पौधारोपण के साथ ही उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया और कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखना और वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री बांके बिहारी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक /अध्यक्ष श्री बिहारी लाल यादव ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते वातावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते वन क्षेत्र को देखते हुए वृक्षारोपण एक सामाजिक अभियान बन चुका है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट आगे भी समाजहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

ट्रस्ट के (कोषाध्यक्ष) श्री अनुरुद्ध कुमार यादव, (प्रबंधक सचिव) श्री राकेश कुमार यादव एवं (सचिव) राजीव कुमार यादव ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। वृक्ष न केवल शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं,

बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, भूजल संरक्षण, जैव विविधता बढ़ाने और प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपने घर, विद्यालय, खेत और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ईश्वर लाल यादव ने ट्रस्ट के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थीयों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे भविष्य में बच्चों को स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार इन पौधों की नियमित देखभाल करेगा ताकि यह अभियान सफल और स्थायी बन सके।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा नहीं, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। हर व्यक्ति को अपने जीवन के किसी विशेष अवसर–जन्मदिन, विवाह, वर्षगांठ या अन्य सामाजिक अवसरों पर पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

इस अवसर पर संतोष कुमार प्रजापति, कुँवर अंकित सिंह, श्री कृष्णा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ईश्वर लाल यादव, श्री रमापति, श्री रमेश चंद्र यादव, श्री यशवंत राम, श्री विजय कुमार यादव, श्री योगराज यादव, डॉ. सुनील कुमार सिंह, श्री महेश कुमार पाल, श्री राम शरण यादव, श्री अमित कुमार मौर्य, श्री विनोद कुमार यादव, श्री अरविंद कुमार यादव, श्रीमती नीलम यादव, श्री राज बहादुर यादव और बालक व बालिकाये सहित ट्रस्ट के सदस्य, एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

मरकजी सीरत कमेटी का चुनाव संपन्न, अबू उबैदा सिराजी बने नए सदर

बैलेट पेपर से हुआ मतदान, 115 मत पाकर दर्ज की शानदार जीत: रबीउल अव्वल के कार्यक्रमों की संभालेंगे जिम्मेदारी

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की ऐतिहासिक शाही अटाला मस्जिद परिसर में रविवार को मरकजी सीरत कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव प्रभारी अब्दुल अहद मुन्ने की देखरेख में बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान कराया गया। मतगणना के बाद अबू उबैदा सिराजी ने 115 मत हासिल कर अध्यक्ष (सदर) पद पर शानदार जीत दर्ज की।

चुनाव परिणाम के अनुसार मेराज खान को 83, आरिफ खान को 76, कमालुद्दीन अंसारी को 58 तथा नेयाज ताहिर को 22 मत मिले। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और नवनिर्वाचित सदर का फूल-मालाओं से स्वागत कर जीत का जश्न मनाया गया।

नवनिर्वाचित सदर अबू उबैदा सिराजी अब पवित्र माह रबीउल अव्वल के दौरान शहर में आयोजित होने वाले सीरत कार्यक्रमों, जलसों और पारंपरिक जुलूसों के संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान पूर्व सदर शकील अहमद, अनवारुल हक गुड्डू, असलम शेर खान, साजिद अलीम, हसीन बबलू, अरशद कुरैशी, हाफिज शाह, सद्दाम हुसैन, शौकत अली मुन्ना राजा, अनवर खान, महताब सिद्दीकी और अकरम मंसूरी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने नवनिर्वाचित सदर को शुभकामनाएं देते हुए रबीउल अव्वल के कार्यक्रमों को आपसी भाईचारे, अमन और सौहार्द के साथ संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया।

राजकीय इंटर कॉलेज पिपरी में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन, 25 सदस्य निर्वाचित

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। राजकीय इंटर कॉलेज पिपरी में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की प्रथम बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सकुशल संपन्न हुई। बैठक में विद्यालय के विकास और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान श्रीमती हीरावती देवी को समिति का अध्यक्ष और श्रीमती संगीता को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही 25 सदस्यों की समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। विद्यालय में बेहतर व्यवस्थाओं के लिए भवन निर्माण समिति और शैक्षणिक समिति का भी गठन किया गया।

इस अवसर पर अभिभावकों के साथ विद्यालय के सभी शिक्षक-

शिक्षिकाएं मौजूद रहे। बैठक में विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन, अनुशासन, कैरियर काउंसिलिंग और विद्यालय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों और वक्ताओं ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार त्रिपाठी ने बैठक को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रावण मास को लेकर प्रशासन मुस्तैद, शिवालयों में सफाई व श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए गए पुख्ता इंतजाम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देश पर जिले के प्रमुख शिवालयों और मंदिरों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

नगर निकायों, विकास खंडों और ग्राम पंचायतों की टीमों ने मंदिर परिसरों, संपर्क मार्गों, प्रवेश द्वारों और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कराई। साथ ही जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के अलावा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, कूड़ेदान, बैरिकेडिंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान सभी मंदिरों व प्रमुख मार्गों की व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। प्रशासन पूरे श्रावण मास में व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करेगा।

हुसैनाबाद मारपीट कांड में शाहगंज पुलिस की कार्रवाई, हत्या के प्रयास के तीन आरोपी गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में आबादी की जमीन के विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास के तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हंसिया और डंडा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई 2026 को हुसैनाबाद गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए थे, जिनमें दो महिलाओं को गंभीर चोटें आई थीं। मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर शाहगंज थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन समग्र अभियान के तहत शाहगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 02 अगस्त को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलवंत पुत्र लालजी बिन्द, रामअकल उर्फ मकल बिन्द पुत्र मंशीलाल बिन्द और हरिन्द्र बिन्द पुत्र स्वर्गीय रामप्यारे बिन्द, निवासी हुसैनाबाद थाना शाहगंज के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर एक हंसिया और एक डंडा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह सहित शाहगंज थाने की पुलिस टीम शामिल रही।

चोरी की सीमेंट की चादरों के साथ जलालपुर पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 6 सीमेंट की चादर बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम परसाईपुर (नहोरा) निवासी रितेश कुमार सिंह ने 1 अगस्त को थाना जलालपुर में तहरीर देकर बताया था कि उनके मुर्गी फार्म पर रखी 6 सीमेंट की चादर और 4 लोहे के पाइप चोरी कर लिए गए हैं। मामले में पुलिस ने मुकदमा संख्या 339/26 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

विवेचना के दौरान उपनिरीक्षक विजय कुमार सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए गोरे निषाद पुत्र जोगेंद्र निषाद और जोगेंद्र निषाद पुत्र दशरथ निषाद, निवासी परसाईपुर नहोरा थाना जलालपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के पास से चोरी की गई 6 सीमेंट की चादर बरामद की है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक बलवन्ता प्रसाद, हेड कांस्टेबल महेंद्र कुमार और रिक्रूट कांस्टेबल अंकित राजपूत शामिल रहे।

शाहगंज पुलिस ने शांति भंग के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहगंज थाना पुलिस ने रविवार को शांति भंग के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में चालान किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, थाना शाहगंज क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए 02 अगस्त 2026 को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में महेंद्र यादव (52), वीरेंद्र यादव (42) और बृजेश यादव (30) निवासी हुसैनाबाद थाना शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा निखलेश गुप्ता (25), रूबी गुप्ता (23) और किसमत्ती (58) निवासी गोडिला थाना शाहगंज को भी गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रामविलास, उपनिरीक्षक सुरेश चंद सरोज सहित पुलिस टीम शामिल रही।

प्रमुख मंदिरों में व्यापक साफ-सफाई एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित

जौनपुर। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. के निर्देशानुसार जनपद के समस्त नगर निकायों, विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में स्थित प्रमुख शिवालयों एवं अन्य प्रमुख मंदिरों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया था कि जनपद के सभी प्रमुख मंदिरों में नियमित एवं विधिवत साफ-सफाई कराई जाए तथा श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में आज संबंधित विभागों एवं स्थानीय निकायों द्वारा मंदिर परिसरों, संपर्क मार्गों, प्रवेश द्वारों, जलनिकासी व्यवस्था तथा आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई कराई गई।

साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, कूड़ेदान, जलभराव की रोकथाम, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को भी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्य कराए गए। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा की अवधि तक मंदिर परिसरों में स्वच्छता एवं सुविधाओं का नियमित निरीक्षण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

पुलिस मुठभेड़ में दो अंतरजनपदीय लुटेरे गिरफ्तार, असलहा व चोरी का सामान बरामद

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। गहमर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो अंतरजनपदीय शातिर लुटेरों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ लूट, रंगदारी सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने उनके पास से नकदी, सोने का लॉकेट, पांच मोबाइल फोन, चोरी की बाइक, दो अवैध तमंचे और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कब्जे में लेकर उपचार कराया और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सावन सोमवार को लेकर 46 घंटे शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सावन सोमवार पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर 46 घंटे का प्रतिबंध लगा दिया है।

यातायात पुलिस के अनुसार यह प्रतिबंध रविवार 02 अगस्त सुबह 10 बजे से मंगलवार 04 अगस्त सुबह 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर अन्य सभी भारी वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस विभाग की ओर से जारी सूचना के मुताबिक गैस, डीजल, पेट्रोल और मेडिकल सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इसके अलावा सभी प्रकार के भारी वाहनों के शहर क्षेत्र में आवागमन पर रोक रहेगी। प्रतिबंधित अवधि में पचहटिया तिराहा, प्रसाद तिराहा, शिवापार हाईवे अंडरपास, अलीगंज (पकड़ी) हाईवे तिराहा, जगदीशपुर चौराहा, चांदपुर हाईवे अंडरपास और कुत्तुपुर तिराहा से शहर की ओर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। यातायात पुलिस ने बताया कि सावन सोमवार को बड़ी संख्या में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था बनाए रखना, जाम की स्थिति से बचना और दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है।

मांस के अवशेषों से गंदगी फैलने की शिकायत, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के विभिन्न इलाकों में मांस एवं चिकन के अवशेष खुले में फेंके जाने से गंदगी और दुर्गंध फैलने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे राहगीरों, दुकानदारों और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। साथ ही संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ रहा है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर मांस की बिक्री की जा रही है। उन्होंने सावन माह को देखते हुए प्रशासन से विशेष निगरानी और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। लोगों ने जिला प्रशासन, नगर पालिका, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस से मांग की है कि मांस की दुकानों की जांच कराई जाए, खुले में अवशेष फेंकने वालों पर कार्रवाई की जाए तथा अवशेषों के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रशासन का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रेलर से टकराई पिकअप, एक की मौत

आजमगढ़। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कथित रूप से सड़क पर खड़े ट्रेलर से पिकअप वाहन के टकराने के कारण हुआ। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर ट्रेलर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित कायमखेड़ा पटरा कॉलोनी निवासी सियाराम राजपूत ने तहरीर देकर बताया कि उनके भाई शंभू राजपूत (40) अपने साथी विवेक पांडेय (28) के साथ पिकअप से जनरेटर लेकर लखनऊ से बलिया जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 229.2 पर उनकी पिकअप कथित रूप से सड़क पर खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि शंभू राजपूत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में विवेक पांडेय और पिकअप चालक पप्पू (30), निवासी भदूआ, जनपद बाराबंकी, गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रूट डायवर्जन को चलते प्रयागराज-वाराणसी का 28 रुपये बढ़ा रोडवेज बस का किराया

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सावन मास की कांवड़ यात्रा के चलते प्रयागराज में रोडवेज बसों का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। डायवर्जन लागू होने से प्रयागराज से वाराणसी की दूरी 18 किलोमीटर बढ़ गई है। इसके साथ ही रोडवेज की साधारण बस का किराया भी 197 से बढ़कर 225 रुपये हो गया है। वहीं, गोरखपुर की दूरी में नौ किमी का इजाफा हुआ है और किराया भी 428 रुपये से बढ़कर 440 रुपये हो गया है। प्रयागराज से वाराणसी और गोरखपुर मार्ग पर चलने वाली बसें अब फाफामऊ और थरवई के रास्ते चलाई जा रही हैं। इससे यात्रियों को अब लंबा सफर तय करने के साथ ही अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। कुछ यात्री अतिरिक्त किराये से राहत पाने के लिए झूंसी के अंदावा चौराहे से ही वाराणसी रूट की बसें पकड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) ने गोरखपुर रूट की भी कुछ बसों का संचालन अंदावा चौराहे से शुरू कर दिया है। इससे फौरी तौर पर यात्रियों को राहत तो मिली है लेकिन वहां से सिविल लाइंस या शहर के अन्य मोहल्लों में लोकल ट्रांसपोर्ट के सीमित साधन होने की वजह से वक्त ज्यादा लग जा रहा है। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा समाप्त होने तक यही व्यवस्था लागू रहेगी। बसों के किराये की दरें सॉफ्टवेयर में अपडेट कर दी गई हैं।

ड्यूटी के दौरान एएसआई की संदिग्ध मौत

मुजफ्फरनगर (उत्तरशक्ति)। यूपी के मुजफ्फनगर स्थित बारामुला क्षेत्र में तैनात भोपा गांव निवासी बीएसएफ में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) शिवदत्त 56 वर्ष की ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनका पार्थिव शरीर शनिवार की शाम उनके आवास पर पहुंचा जहां। सैकड़ों ग्रामीणों व परिजनों ने शहीद का दर्जा देने के साथ कई मांगों को लेकर भोपा-मोरना मार्ग पर जाम लगा दिया। नारेबाजी शुरू कर दी। भारत माता की जय और शिवदत्त अमर रहें के नारे लगाने लगे। चार घंटे बाद भी देर रात तक धरना जारी है। शिवदत्त प्रजापति मूल रूप से जनपद के शाहपुर थाना क्षेत्र के शोरम गांव निवासी थे। लगभग 20 वर्ष से उनका परिवार भोपा में निवास कर रहा है। शिवदत्त प्रजापति बीएसएफ की 175वीं बटालियन में कश्मीर के उत्तरी बारामुला में बोनियार क्षेत्र में तैनात थे। शुक्रवार को वहां उनकी गोली लगने से संदिग्ध प्रस्थिति में मौत हो गई थी। सैनिक का पार्थिव शरीर शनिवार शाम भोपा में उनके आवास के बाहर पर पहुंचा। शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों द्वारा पार्थिव शरीर को लेकर आए सैनिकों से शिवदत्त की मौत का कारण पूछा गया तो साथ आये निरीक्षक अनुराग ने बताया कि एक्सिडेंटल फायर (दुर्घटना वंश गोली चलना) में मौत होने की जानकारी है। घटना की जांच जारी है। जांच के उपरांत ही स्थिति स्पष्ट होगी। इसको लेकर ग्रामीण व स्वजन भड़क गये तभी वहां से आए निरीक्षक अनुराग द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान की बात कमांडेंट अवधेश कुमार से कराई गयी।जिसमे उन्होंने भी घटना की जांच के बाद ही मौत का कारण बताने को कहा।

गोपाल शेट्टी का संघर्ष: एसआरए अंतर्गत सैकड़ों पात्र परिवारों को घर-दुकान का मिला एग्रीमेंट

मुंबई। दहिसर (पूर्व)के रावलपाड़ा स्थित शुक्ला कंपाउंड के सैकड़ों नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए मैदान में उतरकर लंबा संघर्ष और जद्दोजहद करनेवाले पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी का लगातार प्रयास अंततः रंग लाया और रविवार का दिन यहां के नागरिकों के लिए तब यादगार बन गया, जब बिल्डर द्वारा उन्हें उनके मकान-दुकान का एग्रीमेंट सौंपा गया। वर्षों से अपने स्थायी आशियाने का इंतजार कर रहे पात्र परिवारों को आखिरकार रफ्फ पुनर्विकास योजना के अंतर्गत एक सर्व साधारण सभा में उनके मकान एवं दुकानों के एग्रीमेंट की प्रतियां बिल्डर ने उनके हवाले की। शेलाजी श्रीनाथजी (एस.आर.ए.) सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियोजित) की विशेष सर्वसाधारण सभा में आयोजित एग्रीमेंट वितरण कार्यक्रम के दौरान रहवासियों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था और सभी अपने जनसेवक गोपाल शेट्टी के प्रयास, संघर्ष और न्याय दिलाने की कड़ी भूमिका का वन्दन और गुणगान कर रहे थे।

इस कार्यक्रम में जनसेवक गोपाल शेट्टी की उपस्थिति में विकासक अशोक जैन ने भरोसा भी दिलाया कि पुनर्विकास कार्य को तेज गति से पूरा किया जाएगा और बहुत जल्द इन सभी पात्र परिवारों को उनके नए मकान तथा दुकानों की चाबियां भी सौंप दी जाएंगी।

इस सभा व एग्रीमेंट वितरण कार्यक्रम में शुक्ला कंपाउंड के पुनर्विकास आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जनसेवक गोपाल शेट्टी का भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। वहीं, रहवासियों के हित में लगातार प्रयास करने वाले शिवदयाल मिश्रा के योगदान की भी मंच से सराहना की गई।

इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कहा कि ₹आज शुक्ला कंपाउंड की लड़ाई अपने निर्णायक पड़ाव पर पहुंच गई है। रहवासियों को एग्रीमेंट मिल चुका है और अब जल्द ही उनके सपनों के घर-दुकान की चाबी भी मिलेगी।

मुंबई में भारत वैभव पार्टी की बैठक, अवैध वृक्षों की कटाई रोकने को जनआंदोलन का ऐलान

मुंबई। भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय महाराष्ट्र के राजनीतिक दौरे पर रविवार को मुंबई पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान ₹जय सारथी सरकार₹ के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

वसई पूर्व स्थित कैपिटल मॉल में डॉ. अभिषेक दुबे द्वारा आयोजित अगस्त क्रांति कार्यक्रम के अंतर्गत कृष्ण कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुंबई एवं महाराष्ट्र में हो रही कथित अवैध वृक्षों की कटाई और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि अवैध वृक्षों की कटाई पर रोक लगाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही महाराष्ट्र सरकार को ज्ञापन सौंपकर इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई की मांग की जाएगी। यदि आवश्यक हुआ तो इस मुद्दे पर जनआंदोलन भी चलाया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक पाल, राष्ट्रीय महासचिव राजरतन सिंह, जितेंद्र चौबे, साहेब लाल शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अजय मिश्रा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. अभिषेक दुबे, ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पाण्डेय, धीरज मारबते, दिनेश पाटिल, डॉ. अजीत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के उपरांत भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गए।

चिड़ावा में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों का स्नेह मिलन समारोह आयोजित

चिड़ावा, झुंझुनूं। चिड़ावा स्थित नीलकंठ होटल में चिड़ावा ब्लॉक के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय, सहयोग और सौहार्द को बढ़ावा देना रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी महासंघ, झुंझुनूं के जिला अध्यक्ष डॉ. रोहिताश जांगिड़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन, झुंझुनूं के जिला अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार झाझड़िया ने की।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. ललित पारीक एवं डॉ. मंजू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक अरणावतिया ने किया।

इस अवसर पर डॉ. राजवीर डैला, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सुखबीर, डॉ. कृष्ण दत्त, डॉ. रोहताश सैनी, डॉ. अंकिता सूंडा, डॉ. संगीता, डॉ. प्रीति स्वामी तथा डॉ. सविता सैनी सहित अनेक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। समारोह के दौरान चिकित्सा अधिकारियों ने आपसी संवाद, अनुभव साझा करने और आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

लोन की किस्त से बचने के लिए रची खुद के अपहरण की झूठी कहानी, होटल से मिला साड़ी कारीगर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। आदमपुर थाना क्षेत्र के विजयीपुरा निवासी साड़ी कारीगर लक्ष्मण मौर्य (35) के कथित अपहरण का मामला पुलिस जांच में फर्जी निकला। बैंक लोन की किस्त जमा न कर पाने और रिकवरी के दबाव से बचने के लिए लक्ष्मण ने खुद के अपहरण की साजिश रच डाली।

पुलिस के अनुसार, लक्ष्मण सोमवार सुबह सरैया स्थित साड़ी कारखाने में काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो गए। अगले दिन लक्ष्मण ने पत्नी को फोन कर खुद को खतरे में बताते हुए मदद की गुहार लगाई और रोते हुए वीडियो भी भेजा। वीडियो देखकर परिजनों ने थाने पहुंचकर अपहरण की शिकायत दर्ज कराई।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और लक्ष्मण के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की, जो प्रयागराज के एक होटल में मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे होटल के कमरे से बरामद कर लिया।

थाना प्रभारी विमल मिश्रा के मुताबिक पूछताछ में लक्ष्मण ने बताया कि उसने बैंक से लोन लिया था, जिसकी किस्त जमा नहीं हो पा रही थी। बैंक कर्मियों द्वारा लगातार रिकवरी का दबाव बनाए जाने से परेशान होकर उसने खुद के अपहरण की झूठी कहानी रची थी।

पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

उमसभरी गर्मी में मंत्री रविन्द्र जायसवाल का तूफानी विकास दौरा

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तर शक्ति)। उमसभरी गर्मी और तपिश भरे मौसम के बीच रविवार को प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल का विकास दौरा पूरे दिन चर्चा में रहा। सुबह से देर शाम तक उन्होंने शहर के विभिन्न वार्डों में एक के बाद एक कार्यक्रमों में भाग लिया, विकास कार्यों का शिलान्यास किया, गलियों में पैदल घूमकर लोगों से रूबरू हुए और उनकी समस्याएं सुनीं। दिनभर चले इस दौरे में 24 करोड़ 42 लाख रुपये की चार महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया गया। सायंकाल सर्किट हाउस परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मंत्री ने 23 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के 60 मोहल्लों, कॉलोनियों, बस्तियों और अपार्टमेंटों में नई सीवर लाइन बिछाने की योजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना सात वार्डों में लागू होगी और इससे हजारों परिवारों को जलभराव तथा सीवर की पुरानी समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। मंत्री ने बताया कि योजना में वार्ड संख्या 02 के 3, वार्ड 30 के 11, वार्ड 31 के 2, वार्ड 41 के 9, वार्ड 44 के 11, वार्ड 58 के 2 और वार्ड 59 के 22 मोहल्लों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सीवर व्यवस्था की समस्या झेल रहे इन क्षेत्रों में अब आधुनिक सीवर नेटवर्क विकसित किया जाएगा। दोपहर बाद मंत्री रविन्द्र जायसवाल हुकुलगंज-राधा कटरा वार्ड पहुंचे। यहां उन्होंने लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पत्थर चौका सड़क का वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के साथ शिलान्यास किया। पूजा-अर्चना के बाद मंत्री ने गली-मोहल्लों में पैदल भ्रमण किया और स्थानीय नागरिकों से बातचीत की। बरसात के मौसम को देखते हुए उन्होंने संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज बारिश में इस क्षेत्र की गलियों में पानी भर जाता है। मंत्री ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को जलनिकासी, राहत और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य तभी सार्थक हैं जब लोगों को बरसात और बाढ़ जैसी समस्याओं से राहत मिले।

इसके बाद मंत्री का काफिला खजुही-सारनाथ क्षेत्र पहुंचा, जहां 22.33 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग सड़क और सीसी ड्रेन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा मौजूद रहे। महिलाओं ने जलनिकासी, सफाई और सड़क संबंधी समस्याएं रखीं, जबकि युवाओं ने रोजगार और स्वरोजगार योजनाओं को लेकर चर्चा की। युवाओं से बातचीत के दौरान एक युवक के व्यवहार और संस्कार से प्रभावित होकर मंत्री ने कहा, ह्लएक आप हैं जिनके संस्कार देखकर खुशी होती है और एक दिल्ली में कुछ लोग हैं जिनकी हरकतों से पूरा देश शर्मसार हो जाता है ह्ल उनकी इस टिप्पणी पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को एमएसएमई और अन्य योजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और युवाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

दोपहर बाद मंत्री शिवपुर और कादीपुर क्षेत्र पहुंचे। यहां कुंदन नगर कॉलोनी में 27.66 लाख रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग, सीसी रोड और सीसी ड्रेन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। मंत्री ने कहा कि इन कार्यों से शिवपुर, कादीपुर और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन बेहतर होगा और बरसात के दिनों में होने वाली दिक्कतें कम होंगी।

उन्होंने कहा कि कादीपुर क्षेत्र को एयरपोर्ट, नमो घाट और शहर के प्रमुख मार्गों से जोड़ने वाली सड़क और एलिवेटेड कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। भविष्य में इन परियोजनाओं से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और लोगों को सीधे प्रमुख स्थलों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

मुख्य कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वाराणसी में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सड़क, नाली, सीवर, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है ताकि किसी भी मोहल्ले के नागरिक को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, मजबूत जलनिकासी व्यवस्था और आधुनिक सीवर नेटवर्क किसी भी विकसित शहर की पहचान होते हैं। वाराणसी तेजी से स्मार्ट और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित हो रहा है।

इन्दौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सभी पार्षदों से मांगा कामकाज का रिपोर्ट कार्ड

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इन्दौर (उत्तरशक्ति)। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम के सभी पार्षदों से उनके काम काज का रिपोर्ट कार्ड मांगा है। निगम की इस परिषद के कार्यकाल के 4 साल पूरे होने के मौके पर अपनी उपलब्धि का बहीखाता तैयार करने का काम शुरू हो गया है। महापौर के 5 वर्ष के कार्यकाल के 4 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। अब उनके कार्यकाल का अंतिम वर्ष शुरू होने की बेला आ गई है। कार्यकाल के 4 वर्ष पूरे होने के मौके पर महापौर द्वारा निगम परिषद के सभी पार्षदों से उनका रिपोर्ट कार्ड मांगा गया है। इसके लिए सभी पार्षदों को संदेश दिया गया है। हर पार्षद से कहा गया है कि वह अपने वार्ड में किए गए पांच प्रमुख कार्यों का विवरण दें। इसके साथ ही इन पार्षदों से कहा गया है कि उनके वार्ड में किया गया कोई भी एक बड़ा काम अलग से बताएं। महापौर द्वारा सभी पार्षदों से रिपोर्ट कार्ड लेकर उसके माध्यम से अपने कार्यकाल की उपलब्धि का बहीखाता तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। जिस दिन निगम परिषद के कार्यकाल के 4 साल पूरे होंगे उस दिन उपलब्धियों की इस कहानी को जनता के बीच रखते हुए सार्वजनिक किया जाएगा। इन विकास कार्यों के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की जाएगी कि पिछले 4 साल के दौरान विकास की दृष्टि से इंदौर महत्वपूर्ण स्थिति में रहा इसके साथ ही महापौर द्वारा जो दूरगामी काम शुरू करवाए गए हैं, उनकी अलग से प्रस्तुति की जाएगी।

इनमें खासतौर पर नर्मदा पेयजल योजना का चौथा चरण, अमृत 2.0 योजना के तहत पुराने इंदौर क्षेत्र की पानी और ड्रेनेज की लाइन बदलने की योजना, शहर में जल वितरण के लिए नई टंकियों के निर्माण की योजना और मास्टर प्लान में प्रावधान की गई 23 सड़कों के निर्माण का मामला शामिल है। इन सभी कार्यों को भविष्य के इंदौर के निर्माण कार्य के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी शुरू हो गई है।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर आदिवासी सहयोग समिति की बैठक आयोजित

सुशील कुमार तिवारी

म्योरपुर ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को लेकर म्योरपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आरंगपानी स्थित काशी कुंड में आदिवासी सहयोग समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति की संरक्षक रामरति पोया ने की।

बैठक में आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम और भव्य तरीके से मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मुख्य कार्यक्रम आरंगपानी के बरवाटोला स्थित पंचायत भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल होंगे। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और आयोजन को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने सुझाव साझा किए।

समिति के सदस्यों ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, भाषा, अधिकार और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। सभी ने आपसी सहयोग और सहभागिता के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में कार्यक्रम अध्यक्ष हरिप्रसाद सलबंधी, मंत्री, कोषाध्यक्ष गिरधर गोपाल, सचिव देवनारायण पोया, कार्यक्रम आयोजक राजू कुमार गुप्त, अनिल कुमार पोया सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

समिति ने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।